नशा मुक्त भारत आंदोलन

केजरीवाल! पंजाब को नशामुक्त करने से पहले दिल्ली को नशा में डुबोना बंद करो

आज दिनांक 9 अगस्त 2016 अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर राजघाट से **नशा मुक्त भारत आंदोलन** के तत्वावधान में स्वामी अग्निवेश, गोस्वामी सुशील महाराज, परमजीत सिंह चंडोक, मनोहर मानव, तहसीम भाई, महंत भाई तिवारी, इकबाल मुल्ला एवं मो० रफीक कासमी, ए०आर० शाहीन आदि के संयुक्त संयोजन एवं नेतृत्व में शराबबंदी हेतु पदयात्रा की गई। दिल्ली की चुनी हुई राज्य सरकार इस जनहित के मुद्दे का सामना न कर सकी। मुख्यमंत्री के अनुपस्थिति में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सचिवालय में उपस्थित होने के बावजूद प्रतिनिधिमंडल का सामना नहीं कर सकी और मिलने से इन्कार कर दिया। सामना करते भी कैसे प्रतिवर्ष शराब व्यापार से पंद्रह सौ करोड़ की काली कमाई जो हो रही है।

यही सरकार है जो अपने चुनावी घोषणा पत्र में दिल्ली में पूर्ण शराबबंदी का वायदा करती है। इसके बावजूद दिल्ली में 58 नये शराब के ठेके खुलवा देती है। साथ ही भारत में पहला राज्य है जहाँ महिलाओं के लिए अलग से शराब के ठेके खोले गये हैं। नैतिकता की हद तब हो गई जब दिल्ली सरकार ने नशा सेवन की उम्र सीमा कम करने जा रही है।

स्वामी जी के नेतृत्व में सभी धर्म के धर्म गुरुओं ने अपने 15 प्रतिनिधि मंडल के साथ दिल्ली में केंद्र सरकार के प्रतिनिधि, हाई कोर्ट के आदेशानुसार दिल्ली के सर्वाधिक प्रमुख उपराज्यपाल श्री नजीब जंग से मिलने उनके राजनिवास पहुंचा तो राजभवन निवास में न सिर्फ प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया, बल्कि सभी अधिकारी विशेषरूप से उपराज्यपाल के मुख्य सचिव के साथ–साथ सभी आला अधिकारियों ने हमारी बातों को ध्यान से सुना और उन बातों को उपराज्यपाल महोदय तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। निर्धारित समय से विलंब होने के क''' उपराज्यपाल महोदय इंतजार कर किसी और मीटिंग के लिए चले गये। राज्यपाल की गैर मौजूदगी में प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख सचिव को दिल्ली को शराब एवं नशा मुक्त करने हेतु ज्ञापन सौंपा। जिसमें प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख मांग संविधान की धारा 47 को अविलंब लागू किया जाए तथा नशाबंदी के मामले में राजधानी दिल्ली को आदर्श राज्य बनाया जाए। नशा विरोधी अभियान को सफल बनाने हेतू अधिक से अधिक बजट का प्रावधान किया जाए ताकि दिल्ली नशा के दलदल से मुक्त हो सके।

बिहार सरकार ने शराबबंदी करके नया इतिहास रचने का काम किया है। उनके सकारात्मक परिणामों को देखते हुए स्वामी अग्निवेश के नेतृत्व में सभी धर्म गुरूओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आज यह संकल्प लिया कि पूरे देश में इस जन आंदोलन को ले जाया जाएगा और दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल के पाखण्ड का पर्दाफाश किया जायगा कि पंजाब में तो वे नशामुक्ति का वादा कर चुनाव लड़ रहे हैं और दिल्ली में जनविरोध के बावजूद 58 नये ठेके खोलकर दिल्ली को शराब में डुबे रहे हैं। केजरीवाल की गलत नीतियों का परिणाम है कि दिल्ली में बलात्कार और अपराध की संख्या कम नहीं हो रही है।